

**भारतीय रेड क्रास सोसायटी**  
**श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज इकाई, गोण्डा**  
**पी0पी0टी0सी0टी— प्रिवेंशन ऑफ पैरेण्ट्स टु चाइल्ड ट्रांसमिशन**  
**09 मार्च, 2022**



आज दिनांक 9 मार्च, 2022 को श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा के ललिता शास्त्री सभागार में कॉलेज की रेड क्रास इकाई द्वारा उत्तर प्रदेश एडस नियंत्रण सोसाइटी के तत्वावधान में पीपीटीसीटी कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री दिनेश सिंह, प्रोजेक्ट अफिसर, पीपीटीसीटी थे। श्री गौरव श्रीवास्तव, फील्ड ऑफिसर, पीपीटीसीटी भी उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता ने बताया कि वर्तमान में भारत में लगभग 22 लाख लोग एड्स की दवाईयाँ ले रहे हैं। अनेकों ऐसे व्यक्ति हैं जो सामाजिक लांचन के कारण एड्स की जाँच ही नहीं करवाते हैं। यह कार्यक्रम किशोरियों हेतु आयोजित है ताकि आने वाली पीड़ियों को एच0आई0वी0 इंफेक्शन से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि हाथ मिलाने, गले मिलाने, कपड़ों के आदान-प्रदान से, साथ खाना खाने से या मच्छर काटने से एड्स नहीं होता है। माताओं को गर्भावस्था के तीन माह के अन्दर एच0आई0वी0 जाँच करवा लेनी चाहिये ताकि यदि संक्रमण हो तो बच्चे को संक्रमण से बचाया जा सके। यदि माता संक्रमित हो तो बच्चे को जन्म के 72 घण्टे के अन्दर निवारण नामक दवाई पिलाई जाती है जिससे कि उसमें होने वाले संक्रमण की दर को काफी हद तक कम किया जा सके।

भारत में एड्स पीड़ितों के लिए जाँच एवं उपचार निःशुल्क उपलब्ध है। अतः यदि समस्या हो तो उपचार से न घबड़ायें। यदि उचित उपचार मिलता रहेगा तो स्वरूप जीवन जीने की सम्भावना बढ़ जायेगी।

प्राचार्य प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार ने अपने उद्बोधन में बताया कि सभी छात्रों को आचार-व्यवहार-विचार का पालन करना चाहिये। भारत में असुरक्षित यौन सम्बन्ध एच0आई0वी0 संक्रमण का मुख्य कारण नहीं है क्योंकि हमारी जीवन शैली अच्छी है। संक्रमित रक्त के सम्पर्क में आना एच0आई0वी0 संक्रमण की मुख्य वजह हो सकती है। जिसके कारण भावी बच्चों में भी माताओं से हस्तांतरण हो सकता है।

रेड क्रास स्वयंसेविका सरोजिनी कुमारी ने फीड बैक दिया कि यह कार्यक्रम एच0आई0वी0/एड्स से भावी पीढ़ी को बचाने में उपयोगी होगा।

कार्यक्रम का संचालन रेड क्रास प्रभारी डॉ राजीव कुमार अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर डॉ वी0सी—एच0एन0के0श्रीनिवासा राव, डॉ मंशाराम वर्मा, डॉ रामिन्त पटेल, डॉ चमन कौर, नीतू सक्सेना, अमित, सरिता, एस0एन0 पाठक, संदीप मिश्रा आदि उपस्थित थे।



# गोंडा श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज रेड क्रास सोसायटी

बृद्धगे मंडल प्रभारी सुरेश कनौजिया नगर संवाददाता शिंदे कुमार कनौजिया

गोंडा । दिनांक 9 मार्च, 2022  
को श्री लाल बहादुर शास्त्री  
कॉलेज, गोंडा के ललिता शास्त्री  
सभागार में कॉलेज की रेड क्रास

इकाई द्वारा उत्तर प्रदेश एहसनियत्रण सोसायटी के तत्त्वावधान में पीपीटीसीटी कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री दिनेश सिंह, प्रोजेक्ट अफिसर, पीपीटीसीटी थे। श्री गौव वर्कर, कॉलेज की रेड क्रास करवाते हैं। यह कार्यक्रम



श्रीवास्तव, फॉल्ड अफिसर, पीपीटीसीटी थे। मुख्य वक्ता ने बताया कि वर्तमान में भारत में लगभग 22 लाख लोग एहसन की दबाईयाँ ले रहे हैं। अनेकों ऐसे कारण एहसन की जांच होती है। यहाँने बताया कि हथियारों का संक्रमण से बचाया जा सकता है। यदि यहाँने बताया कि हथियारों का संक्रमण से बचाया जा सकता है। यदि यहाँने बताया कि हथियारों का संक्रमण से बचाया जा सकता है। यदि यहाँने बताया कि हथियारों का संक्रमण से बचाया जा सकता है।

गर्भावस्था के निम्न माह के अन्दर एच०आई०वी० जांच करवा लेनी चाहिये। यदि संक्रमण हो तो बच्चे को संक्रमण से बचाया जा सकता है। यदि माता परिवर्तन करती है।

होने वाले संक्रमण की दर को कम किया जा सकता है। भारत में एहसन पीपीटीसीटी के लिए जांच करवा लेनी चाहिये। यदि संक्रमण हो तो बच्चे को संक्रमण से बचाया जा सकता है। यदि माता परिवर्तन करती है।

बढ़ जायेगी। प्राचार्य पीफे सर रवीन्द्र कुमार ने अपने उद्घोषण में बताया कि सभी छात्रों को आचार-व्यवहार-विचार का पाठन करना चाहिये। भारत में असुरक्षित यौवन सम्बन्ध एच०आई०वी० संक्रमण का मुख्य कारण नहीं है। क्योंकि हमारी जीवन शैली अच्छी है। संक्रमित रक्त के सम्पर्क में आना एच०आई०वी० संक्रमण की मूष्क बजह हो सकती है। जिसके कारण भावी बच्चों में भी माताओं से हस्तांतरण हो सकता है। रेड क्रास स्वयंसेविका संरक्षिती कुमारी ने पीड़ित वैक किया कि यह कार्यक्रम उनके जीवन में उपयोगी होगा।

## पीपीटीसीटी कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान आयोजित



गोंडा। लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के ललिता शास्त्री सभागार में कॉलेज की रेड क्रास इकाई द्वारा उत्तर प्रदेश एहसन नियत्रण सोसाइटी के तत्त्वावधान में पीपीटीसीटी कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोजेक्ट अफिसर पीपीटीसीटी दिनेश सिंह, व और अफिसर गौव श्रीवास्तव थे।

मुख्य वक्ता ने दिये सिंह व्याख्या किया कि वर्तमान में भारत में लगभग 22 लाख लोग एहसन की दबाईयाँ ले रहे हैं। अनेकों ऐसे व्यक्ति हैं जो सामाजिक लालू के कारण एहसन की जांच ही नहीं करते हैं। यह कार्यक्रम किसीरियों हेतु अप्रयोगित है ताकि आपे बहुत पीपीटीसीटी संक्रमण से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि यह किसान, यात्री वित्ती, कर्मचारी के अदान-प्रदान से, साथ जाना जाने से या मच्छर काटने से एहसन वही होता है। माताओं को गर्भावस्था के तीन माह के अन्दर एच०आई०वी० जांच करवा लेनी चाहिये ताकि यदि संक्रमण हो तो बच्चे को संक्रमण से बचाया जा सके। यदि यहाँने बताया कि यह संक्रमण हो तो बच्चे को जन्म के 72 घण्टे के अन्दर नियत्रण नियम दबाई प्राप्त होती है जिससे कि उन्हें जाने वाले संक्रमण की दर की काफ़ी हद तक कम होती जाती है। भारत में एहसन पीपीटीसीटी के लिए जांच एवं उपचार नियूलूक उपलब्ध है। अतः यदि संक्रमण हो तो उपचार से न बचाया जाये। यदि उचित उपचार नियत्रण देखा जाने की साफ़ात यह जानेवालाओं पर प्रोक्षण रखें। कुमारी शांकोह ने अपने उद्घोषण में बताया कि सभी छात्रों को आचार-व्यवहार-विचार का शालन करना चाहिये। भारत में असुरक्षित यौवन सम्बन्ध एच०आई०वी० संक्रमण का मुख्य कारण नहीं है। क्योंकि हमारी जीवन शैली अच्छी है। संक्रमित रक्त के सम्पर्क में आपा संक्रमण का मुख्य कारण हो सकती है। जिसके कारण भावी बच्चों में भी माताओं से हस्तांतरण हो सकता है। रेड क्रास स्वयंसेविका संरक्षिती कुमारी ने पीड़ित वैक किया कि यह कार्यक्रम उनके जीवन में उपयोगी होगा। कार्यक्रम का संचालन रेड क्रास प्रभारी श्री गौव श्रीवास्तव आगामी तिथि। इस अवसर पर वह योगी एवं स्वयंसेविका शिंदे, श्रीमिति चंद्रेल, व उपचार कीरति, शीतू सरसेना, अपिता, सरिला, एमान लालू, संदीप मिश्रा आदि उपस्थित हैं।